आज का सुविचार

सफलता तब मिलती है, जब आप स्वयं को चुनौती देते हैं।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS

जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है.. संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 69 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 30 मई 2025 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

MP Police Regulation-622, अगर कोई कैदी हवालात से भाग जाता है तब जिम्मेदार कौन होगा जानिए

हवालात से बंदी के भागने की जिम्मेदारी पुलिस कर्मियों पर होती है। यदि बंदी हवालात की कमजोरियों या पुलिस की लापरवाही के कारण भागता है, तो जिम्मेदार पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की जा सकती है। क्योंकि एक कैदी हवालात से भाग जाता है क्योंकि हवालात का दरवाजा ठीक से बंद नहीं था। इस मामले में, जिम्मेदार पुलिस कर्मी पर कार्रवाई की जा सकती है क्योंकि उन्होंने अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाई।

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

MP POLICE REGULATION 622 की परिभाषा

1. पुलिस कर्मियों की जिम्मेदारी- यदि बंदी हवालात की कमजोरियों या पुलिस की लापरवाही के कारण भागता है, तो जिम्मेदार पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की जा सकती है।

2. तलाशी की जिम्मेदारी- यदि बंदी अपने शरीर पर छुपाए गए उपकरणों की सहायता से भागता है, तो पुलिस कर्मियों की तलाशी की प्रक्रिया की जांच की जाएगी।

पुलिस कर्मी कब जिम्मेदार नहीं होगा जानिए-

यदि कोई कैदी अपने शरीर पर छुपाए गए उपकरणों की सहायता से हवालात से भाग जाता है, तो मुख्य आरक्षक या पहरे के अन्य प्रभारी अधिकारी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा। जैसे कि

1. उन्होंने बंदी की पूरी तलाशी ली थी।
2. तलाशी के बाद भी उपकरण नहीं मिले थे।
3. इसके बावजूद बंदी ने उपकरण का उपयोग करके भागने में सफलता प्राप्त की। इसका मतलब है कि यदि पुलिस कर्मियों ने अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभाई है और कैदी की तलाशी ली है, तो उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा। यह विनियम पुलिस कर्मियों को हवालात की सुरक्षा और बंदियों की निगरानी के लिए जिम्मेदार बनाता है। यदि बंदी हवालात से भागता है, तो पुलिस कर्मियों की लापरवाही की जांच की जा सकती है और उन्हें जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी का भोपाल आगमन

बहनों के सशक्तिकरण और राष्ट्र हित सर्वोपरि के भाव को सशक्त बनाएगा: मुख्यमंत्री डॉ.यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का 31 मई को हो रहे महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन के लिए भोपाल आगमन हमारी बहनों के सशक्तिकरण और राष्ट्र हित सर्वोपरि के भाव को सशक्त बनाने का माध्यम बनेगा। प्रधानमंत्री जी के लोकमाता देवी अहिल्या बाई की त्रि-शताब्दी जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश आगमन से लोकमाता के सामाजिक प्रकल्पों की गूंज भी देश-विदेश में पहुंचेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में प्रधानमंत्री श्री मोदी के भोपाल आगमन के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने बैठक में दिए गए प्रजेंटेशन को देखा और की गई तैयारियों की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार 30 मई को जम्बूरी मैदान स्थित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन के लिए की गई तैयारियों का जायजा लेंगे। बैठक में महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन के आयोजन स्थल पर प्रतिभागियों के लिए बैठक व्यवस्था, उनके लिए पेयजल प्रबंध, पार्किंग, चलित शौचालय, कार्यक्रम स्थल पर मौसम के अनुकूल आवश्यक प्रबंध, मंच व्यवस्था और प्रदर्शनी स्थल के संबंध में निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार सम्पन्न तैयारियों की जानकारी दी गई।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के स्मरण मात्र से मन गर्व और श्रद्धा से भर जाता है : उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर में सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भावना थी। उनके चरित्र के स्मरण मात्र से मन गर्व और श्रद्धा से भर जाता है। उनके द्वारा किए गए जन कल्याणकारी कार्य सर्वदा याद किए जाते रहेंगे। लोकमाता के चरित्र का अनुसरण करने से व्यक्ति के मन में जो संस्कार आएंगे उससे वह वैसा ही व्यवहार करेगा और भारत को विश्वगुरू बनाने का संकल्प पूरा होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा में संगोष्ठी में शामिल हुए।

BNSS-217, COURT राज्य एवं केंद्र सरकार की मंजूरी के बिना किन अपराधों पर डारेक्ट संज्ञान नहीं लेगा जानिए

Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita (BNSS) की धारा 217(1) के अनुसार, कुछ विशिष्ट अपराधों के लिए Court में मामला दर्ज करने से पहले केंद्र सरकार या राज्य सरकार की मंजूरी आवश्यक है। वे निम्न अपराध है जानिए-

1. राज्य के विरुद्ध अपराध (Bharatiya Nyaya Sanhita के अध्याय 7 के तहत)
2. धर्म, मूलवंश, जन्म-स्थान आदि के आधार पर शत्रुता उत्पन्न करना (BNS की धारा 196)
3. विद्वेषपूर्ण भावना से धर्म या धार्मिक विश्वास का अपमान (BNS की धारा 299)
4. लोक रिष्टि करने वाले कारक (BNS की धारा 353)
5. भारत के बाहर के अपराधों का भारत में दुष्प्रेरण (BNS की धारा 47)

इन मामलों में पुलिस को भी विशेष अधिकार दिए गए हैं-

- सरकारी मंजूरी- COURT में मामला दर्ज करने से पहले केंद्र सरकार या राज्य सरकार की मंजूरी आवश्यक है।
- पुलिश संज्ञान- इन अपराधों की जांच के लिए पुलिस अधिकारी का पद निरीक्षक (Inspector) से नीचे नहीं होना चाहिए।

सरल शब्दों में, यह प्रावधान सुनिश्चित करता है कि कुछ गंभीर अपराधों के मामलों में सरकार की अनुमति के बाद ही अदालत में कार्यवाही शुरू की जा सके और जांच उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारी द्वारा की जाए।

?? लेखक बीआर अहिरवार (पत्रकार एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से उत्तरप्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की सौजन्य भेंट

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से उत्तरप्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को राजभवन में सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। राज्यपाल श्री पटेल ने सिकल सेल जागरूकता के लिए राजभवन मध्य प्रदेश की पहल पर डाक विभाग द्वारा जारी विशेष आवरण राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल को भेंट किया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

क्या है राह-वीर योजना एवं गोल्डन ऑवर का महत्व?जान बचाने वाले को कैसे मिलेगा पुरस्कार जानिए योजना की प्रमुख बातें

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

केंद्र सरकार ने सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाने वाले आम नागरिकों को सम्मानित करने के लिए राह-वीर योजना शुरू की है। इस योजना के अन्तर्गत गंभीर सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद कर जान बचाने वाले को 25,000 का नकद पुरस्कार और प्रशंसा-पत्र दिया जाएगा। इसके लिए केन्द्र सरकार ने राज्य सरकारों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रिंट, डिजिटल और सोशल मीडिया के माध्यम से योजना का व्यापक प्रचार करें ताकि अधिक लोग आगे आएं और दुर्घटना में घायल लोगों का जीवन बचाने में महत्वरपूर्ण भूमिका निभाएं।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 'राह-वीर योजना' की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य आम नागरिकों को सड़क दुर्घटना में घायल लोगों की मदद के लिए प्रोत्साहित करना है। यह योजना विशेष रूप से उन नागरिकों को सम्मानित करती है जो दुर्घटना के गोल्डन ऑवर (पहले एक घंटे) के भीतर पीड़ित को चिकित्सा सुविधा तक पहुँचाकर उसकी जान बचाते हैं 'गोल्डन ऑवर' दुर्घटना के बाद का पहला एक घंटा होता है, जिसमें समय पर चिकित्सा सहायता मिलने पर घायल की जान बचाई जा सकती है। सरकार का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को इस अवधि में मदद के लिए प्रेरित करना है। प्रत्येक राह-वीर को 25,000 नकद पुरस्कार और प्रशंसा-पत्र एक व्यक्ति अधिकतम 5 बार वार्षिक पुरस्कार के पात्र। यदि एक से अधिक राह-वीर किसी एक पीड़ित की जान बचाते हैं, तो राशि सभी में समान रूप से बाँटी जाएगी।यदि एक से अधिक राह-वीर ने एक से अधिक पीड़ितों को बचाया, तो प्रत्येक पीड़ित के लिए 25,000 दिया जाएगा, लेकिन अधिकतम 25,000 प्रति राह-वीर। 10 सर्वश्रेष्ठ राह-वीरों को हर साल राष्ट्रीय स्तर पर एक लाख रुपए, ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा। गंभीर दुर्घटनाओं में ही योजना का लाभ मिलेगा — जैसे मस्तिष्क या रीढ़ की चोट, बड़ा ऑपरेशन, कम से कम 3 दिन अस्पताल में भर्ती या मृत्यु यदि कोई व्यक्ति घायल को सीधे अस्पताल या पुलिस के माध्यम से चिकित्सा सुविधा तक पहुँचाता है, तो पुलिस या अस्पताल द्वारा प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा। इसके बाद ज़िला स्तर पर एक समिति मामले की जांच कर नाम की अनुशंसा करेगी। राज्य परिवहन विभाग द्वारा राशि क्क्नरू के माध्यम से सीधे बैंक खाते में भेजी जाएगी।कानूनी सुरक्षा और गोपनीयता का रखा जायेगा ध्यान मोटर वाहन अधिनियम 2019 के अनुसार, किसी भी राह-वीर के खिलाफ बिना उसकी सहमति के कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जा सकेगी। राह-वीर की जानकारी केवल योजना के लिए प्रयुक्त होगी, अन्य किसी उद्देश्य से नहीं। इसके अलावा हर वर्ष 30 सितंबर तक राज्य सरकारें तीन सर्वश्रेष्ठ राह-वीरों के नाम केंद्र सरकार को भेजेंगी। इनमें से 10 को राष्ट्रीय सम्मान दिया जाएगा।

जेनेटिक काउंसलिंग पर विशेष ध्यान दिया जाये, राज्यपाल सिकल सेल जागरूकता कार्यक्रम में हुए शामिल

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि सिकल सेल को खत्म करने के लिए स्क्रीनिंग के बाद जेनेटिक काउंसलिंग पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि धार जिले में 12 लाख लोगों की सिकल सेल स्क्रीनिंग की जा चुकी है, जिनमें से लगभग 25 सौ लोग पॉजिटिव पाए गए हैं। सिकल सेल पॉजिटिव आपस में विवाह नहीं करें, इसकी समझाइश दी जानी चाहिए। यह बात राज्यपाल ने सिकल सेल रोग के उन्मूलन के लिये चलाए जा रहे अभियान के कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम का आयोजन धार जिले में जागरूकता अभियान के तहत किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण भी अतिथियों और आमजन द्वारा किया गया। राज्यपाल ने कहा कि जन औषधि केंद्रों पर आयुष विभाग के माध्यम से दवाइयाँ उपलब्ध कराई गई है।

उन्होंने पॉजिटिव पाए गए लोगों से नियमित दवाई लेने और व्यायाम करने, सुपाच्य भोजन करने, ठंडे पानी से नहीं नहाने और अधिक मात्रा में पानी पीने की समझाइश दी। उन्होंने सभी स्टोर्स पर दवाइयों की उपलब्धता और डॉक्टर्स द्वारा जनजागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया। राज्यपाल ने सिकल सेल के क्षेत्र मे जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में लगी प्रदर्शनी को सराहा व सभी लोगों से उसका अवलोकन करने का आग्रह किया।राज्यपाल को कार्यक्रम मे उपस्थित पाँच बच्चों ने उनकी स्कूल एवं हॉस्टल में हुई स्क्रीनिंग के अनुभव साझा किए। बच्चों ने बताया कि अस्पताल से मिलने वाली निशुल्क दवाइयों से उन्हें इस बीमारी में राहत मिली है। कार्यक्रम के दौरान सिकल सेल स्क्रीनिंग एवं क्षय नियंत्रण में योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया।

लाइबेरियाई कंटेनर जहाज कोच्चि के तट पर डूबा; आईसीजी ने चालक दल के चौबीस सदस्यों को बचाया

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) लाइबेरियाई कंटेनर पोत एमएससी ईएलएसए 3 के 24 मई को कोच्चि से लगभग 38 समुद्री मील दक्षिण-पश्चिम में 26 डिग्री का गंभीर झुकाव विकसित होने के बाद बचाव अभियान का नेतृत्व कर रहा है। जहाज, जो 23 मई को विझिनजाम बंदरगाह से रवाना हुआ था और कोच्चि के रास्ते में था, ने पहले एक संकट चेतावनी जारी की।।आईसीजी विमानों ने निकासी अभियान में सहायता के लिए अतिरिक्त जीवन रक्षक राफ्ट उतारे । नौवहन महानिदेशालय ने आईसीजी के साथ समन्वय करके जहाज प्रबंधकों को तत्काल बचाव सहायता की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। आईसीजी ने संकटग्रस्त जहाज के घटनास्थल पर जहाज और विमान भेजकर समन्वित बचाव अभियान शुरू किया। जहाज पर सवार सभी 24 चालक दल के सदस्यों को बचा लिया गया है।

नवनिर्मित पिछड़ा वर्ग कन्या छात्रावास भवन का राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने किया निरीक्षण शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्धघुमन्तु कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने नीमखेड़ा जबलपुर में नवनिर्मित पिछड़ा वर्ग कन्या छात्रावास को शीघ्र प्रारम्भ करने के निर्देश दिए है । राज्यमंत्री ने रविवार को जबलपुर भ्रमण के दौरान नवनिर्मित 500 सीटर पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास का निरीक्षण किया। राज्यमंत्री ने नवनिर्मित छात्रावास के कक्ष, मेस,किचन सहित सम्पूर्ण परिसर और उपलब्ध संसाधनों का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास परिसर की अधूरी बाउंड्रीबॉल को शीघ्र पूर्ण कराए जाने एवं परिसर में पौधारोपण करने के भी निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान विछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण जबलपुर के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

शुरुआत जशोदा बेन के घर से होगी

ब्लूप्रिंट • लोकसभा सांसद रोज 15-20 किमी, मंत्री हफ्ते में 2 दिन 20-25 किमी पदयात्रा करेंगे

मोदी 3.0 की तैयारी; घर-घर सिंदूर पहुंचाएगी भाजपा... 9 जून से एक महीने चलेगा अभियान

सुमित ठाकुर | नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को भाजपा घर-घर तक पहुंचाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत महिलाओं को उपहार के रूप में सिंदूर दिया जाएगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने बताया, 9 जून से इसकी शुरुआत होगी। इसी दिन नरेंद्र मोदी ने बतौर पीएम तीसरी बार शपथ ली थी यानी मोदी 3.0 की शुरुआत हुई थी। मूल मकसद है मोदी 3.0 सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना, लेकिन इसके लिए जनसंपर्क के दौरान महिलाओं को सिंदूर भेंट किया जाएगा। साथ ही, ऑपरेशन सिंदूर को हाईलाइट करने वाले पंफलेट भी बांटे जाएंगे। इस अभियान में केंद्र का हर मंत्री, एनडीए के सांसद और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल होंगे। एक महीने तक चलने वाले इस कार्यक्रम में सभी लोकसभा सांसदों अपने क्षेत्र में रोजाना 15-20 किमी तक पदयात्रा करनी है और मंत्री हफ्ते में दो दिन 20-25 किमी यात्रा कर जनसंपर्क करेंगे।

'मोदी सरकार के 11 वर्ष-संकल्प से सिद्धि तक' के 9 बड़े पॉइंट

1. **जन संपर्क अभियान:** हर विधानसभा क्षेत्र में 29 मई तक चलेगा। बूथ स्तर पर (1+4) और (1+2) के फॉर्मूले पर कार्यकर्ता भाग लेंगे।
2. **प्रेस वार्ता:** 2 जून से 5 जून के बीच जिला स्तर पर प्रेस वार्ताएं होंगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा 7 या 8 जून को दिल्ली में प्रेस वार्ता की जाएगी।
3. **प्रोफेशनल्स मीट:** हर जिले में पेशेवरों की बैठक होगी, जहां तीन प्रमुख नीतिगत विषयों पर चर्चा होगी (केवल पेशेवर ही चुनाए जाएंगे)।
4. **विकसित भारत संकल्प सभा:** हर मंडल पर विकसित भारत संकल्प सभा होगी, जिसमें नागरिकों से विकसित भारत हेतु संकल्प लेंगे।
5. **पंचायत चौपाल:** शहरों की मोहल्ला और गांवों की पंचायत चौपाल से सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाया जाएगा।
6. **आयुष्मान भारत योजना शिविर:** हर विधानसभा क्षेत्र में पंजीकरण शिविर लगेंगे। हर जिले में 100 लाभार्थियों की सहभागिता जरूरी।
7. **डिजिटल प्रतियोगिता:** वीडियो व ग्राफिक्स से संबंधित डिजिटल प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी।
8. **प्रदर्शनी का आयोजन:** सभी जिलों और जिला केंद्रों पर सरकारी योजनाओं की प्रदर्शनी।
9. **योग दिवस:** 15 जून से 20 जून तक योग प्रशिक्षण शिविर चलेंगे। 21 को कार्यक्रम होंगे।

ऑपरेशन सिंदूर में भूमिका निभाने वाले विभागों की शॉर्ट फिल्म बनेगी

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जिस भी विभाग ने अपना योगदान किसी भी रूप में दिया, उसकी डॉक्यूमेंट्री बनेगी। उस विभाग में कार्यरत लोगों और उनके परिजनों को दिखाई जाएगी। ताकि उन्हें गौरव हो और वे भविष्य में ज्यादा बेहतर तरीके से योगदान देने के लिए प्रेरित हो सकें।

भारत भर के नारी मन कर,
पर पुरुस हा सिंदूर भेजाही।
पतिव्रता नारी मन कइसे,
ओखर भेजे सिंदूर लगाहीं।।
जसोदा बेन के मांग हे सुन्ना,
पहिली ओखर मांग संवार।
सिंदूर दान सिर्फ पति हा करते,
तैं मर्यादा झन कर पार।।
लक्ष्मी नारायण कुम्भकार सचेत दुर्ग (छ0ग0)

अहिरवार समाज संघ म प्र

प्रदेश स्तरीय की बैठक
दिनांक 1/6/25 को समय 11: 00बजे से
स्थान जिंसी मंदिर जहांगीराबाद भोपाल
अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष राजेश अहिरवार

मुख्य आतिथ्य संस्थापक
मुख्यअतिथि
कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष
भाव सिंह मांडरे
प्रमुख अतिथि
सभी प्रकोप के अध्यक्ष गण।

अससं म प्र की प्रदेश स्तरीय बैठक रखी गई है। जिस में संघ के अनेक बिंदुओं पर चर्चा करेंगे विस्तार, जिलों में आयोजन करवाने, सदस्यता अभियान शुरू करने आदि। और इस कार्यक्रम में हमारे प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष श्री भाव सिंह मांडरे जी का स्वागत सम्मान समारोह करेंगे। जों हाल ही में प्राचार्य पद से 31/5/2025 को सेवा निवृत्त हुए हैं। आचार्य पद से शासन ने सम्मानित किया था और अनेकों प्रशस्ति पत्र राज्य, राष्ट्रीय तथा विदेशों से भी सम्मानित सेवा काल में हुए हैं जिन पर हमारे समाज को गर्व है। अत: अससं म प्र की सभी ईकायों के प्रत्येक पदाधिकारियों को जिसमें युवा प्रकोष्ठ महिला प्रकोष्ठ आई टी सेल मीडिया प्रभारी आदि समाहित है।

अत: अनुरोध किया जाता है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित हो
और यह अद्वतीय कार्यक्रम का आनंद लें।
हमारे प्रदेश सचिव विनोद बड़ोदिया व्यक्तिगत रूप से सभी को फोन पर सूचना दे रहे हैं। सभी का आना अनिवार्य है।

संस्थापक
अससं म प्र
चौधरी अमान सिंह नरवरिया से नि टी आई पुलिस भोपाल
28/5/2025

प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट को आदिम जाति कल्याण विभाग और नगर निगम ग्वालियर की समस्याओं के निराकरण हेतु अलग-अलग दो पत्र सौंपे - डॉ अग्र

ग्वालियर 25 मई 2025 । मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री जल संसाधन विभाग एवं ग्वालियर जिले के प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट जी को आदिम जाति कल्याण विभाग जिला ग्वालियर में लंबित समस्याओं के निराकरण हेतु एवं नगर निगम ग्वालियर में लंबित समस्याओं के

निराकरण की मांग को लेकर आरक्षित वर्ग अधिकारी कर्मचारी संघ (अवाक्स) के संस्थापक प्रांत अध्यक्ष एवं आदिम जाति कल्याण विभाग छात्रावास आश्रम शिक्षक अधीक्षक संघ (कसस) के संस्थापक प्रांत अध्यक्ष डॉ जवर सिंह अग्र ने ग्वालियर प्रवास पर आए जिले के प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट जी को अलग-अलग दो पत्र देकर पत्र में उल्लेखित समस्याओं के निराकरण की मांग की गई जिस पर प्रभारी मंत्री सिलावट जी ने शीघ्र कार्रवाई करने का आश्वासन दिया ज्ञात रहे की जिन समस्याओं को लेकर प्रभारी मंत्री से मुलाकात की गई वह काफी लंबे समय से आदिम जाति कल्याण विभाग ग्वालियर में और नगर पलक निगम ग्वालियर में लंबित है।

राजनगर रामनगर थाना अंतर्गत तीन- तीन नगर परिषद है फिर भी स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर / राजनगर रामनगर थाना अंतर्गत तीन. तीन नगर परिषद है फिर भी स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई हुई है छोटी बड़ी कोई भी घटना घटित होने पर बिजुरी, व पडोसी राज्य छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़ सेन्ट्रल हॉस्पिटल लोगों को दौड़ना पड़ता है जब कि राजनगर मे स्वास्थ्य विभाग के उप स्वास्थ्य केंद्र कि घोषणा 2022 में हो गई थी, लोकार्पण 2024 में हुआ और स्वास्थ्य सेवा? वह अब भी भविष्य के गर्भ में है। राजनगर उप-स्वास्थ्य केंद्र को तीन वर्ष पहले ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (क्ाष्ट) घोषित कर दिया गया था, लेकिन सुविधाएं आज भी उस ज़माने में अटकी हैं जब बीमारियाँ झाड़-फूंक से ठीक मानी जाती थीं।? बाहर से देखो तो लगता है एम्स की कोई सैटेलाइट ब्रांच खुल गई हो, लेकिन भीतर झांको तो समझ आ जाएगा यहाँ इलाज नहीं, केवल उद्घाटन हुआ है। भवन की सुंदरता पर मोहित मत होइए, यह वह मंदिर है जहाँ न पुजारी है, न प्रसाद। केवल घंटा बजता है वह भी उपेक्षा का।

चार लोगों की ड्यूटी में चौदह की उम्मीद — बाकी सब 'रामभरोसे चिकित्सा योजना'

सरकारी मापदंडों के अनुसार, एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कम से कम 14 से 15 कर्मचारी आवश्यक होते हैं डॉक्टर, फार्मासिस्ट, ड्रेसर, लैब टेक्नीशियन, गार्ड, सफाईकर्मी और बाकी सहयोगी स्टाफ सहित। राजनगर क्ाष्ट में नियुक्त हैं कुल 4 कर्मी दो एएनएम और दो नर्सिंग स्टाफ। डॉक्टर नहीं हैं। फार्मासिस्ट नहीं हैं।

ड्रेसर? कागजों में पदस्थ हैं, लेकिन बिजुरी में सेवा दे रहे हैं और अभी तक रिलीवि ग ऑर्डर नहीं आया। लैब टेक्नीशियन? गायब। स्वास्थ्य केंद्र है या कोई सूत्रलेख रहित स्कीम, जहाँ इलाज खुद से सोचकर ही कर लेना पड़ता है! मरीजों का इलाज कुछ यूं होता है — नाम लिखवाइए, बुखार को मानसिक शांति से दबाइए, और दुआ करिए कि खुद ही ठीक हो जाएं। राजनगर क्ाष्ट अब इलाज का केंद्र नहीं, बल्कि आत्म-संयम प्रशिक्षण केंद्र बन गया है।

सुरक्षा और सफाई भी बीमार — एक गार्ड, एक सफाईकर्मी और दोनों का बोझ आसमान छूता

जहाँ दो-दो गार्ड होने चाहिए, वहाँ केवल एक नाइट शिफ्ट गार्ड है। लगता है सरकार को पूरा भरोसा है कि दिन में चोर नहीं आते, और बीमारियां रात में ही हमला करती हैं। सफाई की बात करें तो एक मात्र सफाईकर्मी पूरे परिसर की सफाई का जिम्मा अकेले उठाए हुए है। परिणामस्वरूप, सफाई व्यवस्था की हालत देखकर लगता है कि सरकार का मानना है गंदगी भी इम्युनिटी बढ़ाती है। पोस्टमार्टम और मेडिकल परीक्षण के नाम पर परिक्रमा — दो किलोमीटर वाला थाना, नौ किलोमीटर की सजा राजनगर थाना महज़ 2 किलोमीटर की दूरी पर है, लेकिन किसी भी हादसे के बाद पोस्टमार्टम के लिए 9 किलोमीटर दूर बिजुरी भेजा जाता है। यह व्यवस्था प्रशासन की सुविधा नहीं, संवेदनहीनता का प्रतीक बन चुकी है। इतना ही नहीं, झगड़े-झंझट या अपराधों में घायल पीड़ितों के मेडिकल परीक्षण के लिए भी पुलिस को इसी दूरस्थ केंद्र का चक्कर लगाना पड़ता है।? यानी जीवित हो या मृत दोनों के लिए यह केंद्र समान रूप से अनुपयोगी है। राजनगर क्ाष्ट अब एक कानूनी बाध्यता केंद्र बन गया है जहाँ सिर्फ़ लिखा है कि है, मगर हकीकत में नहीं है।

तीन नगर परिषद और आठ गांवों की उम्मीद — 50,000 लोगों के स्वास्थ्य की डूबती नाव

1 WP-16829-2025
IN THE HIGH COURT OF MADHYA PRADESH
AT JABALPUR
WP No. 16829 of 2025

Dated : 14-05-2025

Proxy counsel for the petitioner.

Shri Pradeep Singh - Government Advocate for the respondents/State.

Proxy Counsel appearing for the petitioner submitted that arguing counsel is not available today, therefore, he prays for short time.

Prayer is allowed.

Case is adjourned.

List this matter after Summer Vacations.

(VISHAL DHAGAT)
JUDGE

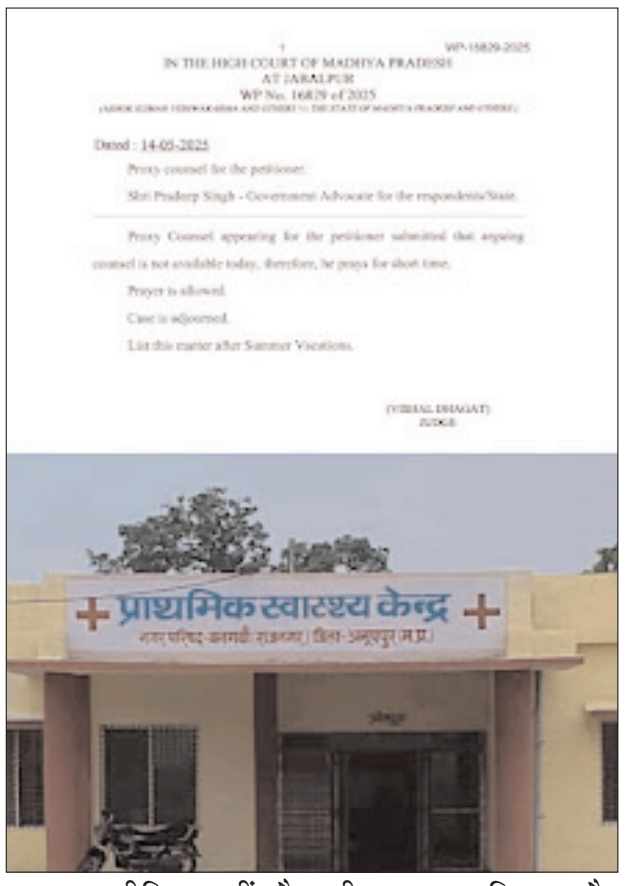

इस PHC का महत्व केवल राजनगर तक सीमित नहीं है। तीन नगर परिषद और करीब आठ गांव इसकी सेवाओं पर आश्रित हैं। यदि इसे सही संसाधनों, स्थायी स्टाफ और उचित दवाओं से सुसज्जित कर दिया जाए, तो यह केंद्र लगभग 50,000 लोगों के लिए स्वास्थ्य का वरदान बन सकता है। लेकिन मौजूदा हालातों में यह एक ऐसा महल है, जिसकी दीवारें मजबूत हैं, पर भीतर खालीपन की गूंज है।

जनता का सवाल — कब मिलेगा इलाज की गारंटी, सिर्फ़ कागज़ की नहीं?

राजनगर की जनता पूछ रही है कि जब 2022 में इसे PHC घोषित किया गया था, तब योजना कहाँ अटक गई?जब उद्घाटन हो गया, तो ऑपरेशन कब शुरू होगा? जब कागज़ों में स्टाफ भर दिए गए, तो धरातल पर क्यों नहीं दिखते? इस वक्त राजनगर क्ाष्ट एक प्रतीक है उस सरकारी रवैये का, जहाँ घोषणा सबसे पहले होती है, व्यवस्था सबसे बाद में और सुविधा शायद कभी नहीं।

इनका कहना है।

डॉक्टर एवं स्टाफ के संबंध में उच्च अधिकारी को पत्राचार किया गया है !

मनोज सिंह
चिकित्सा अधिकारी

इनका कहना है।

जो पहले डॉक्टर पदस्थ थे वह एसईसीएल में ज्वाइन हो गए हैं अभी कोई भी डॉक्टर नहीं है एवं ट्रांसफर लिस्ट में ड्रेसर का पद स्थापना राजनगर कर दिया जाएगा !

डॉ आर के वर्मा
जिला चिकित्सा अधिकारी

इनका कहना है।

डॉक्टर की कमी से क्षेत्र में मरीजों की समस्या तो बढ़ रही है जिसके लिए हम उच्च अधिकारी को पत्राचार करेंगे कि डॉक्टर एवं उन स्टाफ की पद स्थापना जल्द से जल्द करें।

श्रीमति रीनू सुरेश कोल
अध्यक्ष नगर परिषद डोला

इनका कहना है।

हमारे द्वारा संबंधित अधिकारियों को पत्राचार किया जाएगा ताकि नगर के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ मिल सके

यशवंत सिंह
अध्यक्ष नगर परिषद राजनगर

इनका कहना है।

डॉक्टरों और स्टाफ की कमी से जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । जनहित को देखते हुए मैं शीघ्र ही इस विषय में उच्च अधिकारियों से पत्राचार करूंगा ताकि समस्या का शीघ्र समाधान हो सके।

धनंजय सिंह (मुन्ना)
उपाध्यक्ष नगर परिषद राजनगर

चोरी का सर्विस केबल कुंआ व बाडी से बरामद, पुलिस ने आरोपियो को भेजा जेल

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। संतोष सिंह धुर्वे पिता सुरेश सिंह धुर्वे उम्र 33 वर्ष निवासी ग्राम टकहुली थाना जैतहरी लाईन मैन म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लिमि.जैतहरी जिला अनूपपुर का आवेदन पत्र सहायक अभियंता म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लिमि. जैतहरी द्वारा हस्ताक्षरित लाकर पेश किया कि 21 मई 2025 की मध्य रात्रि के दौरान ग्राम पोंडी निवासी छोटू सिंह पिता गुलाब सिंह गोड एवं हरिचन्द्र सिंह पिता मोलसिंह गोड के द्वारा 7 स्पान एल.टी.पोल के केबल तार को चोरी कर लिया गया है,

उपभोक्ता का प्राप्त आवेदन पश्चात चोरी हुये केबल का नजरी नक्सा बनाकर अवगत कराया गया है, कि सब स्टेशन वेंकटनगर से निकली 11 के.व्ही. पोडी फीडर मे दरोगा सिंह गोड के नाम अनुदान योजना मे लगा

ट्रांसफार्मर अन्तर्गत लगे 10 पी.सी. पोल 10 स्पान मे से 7 स्पान का केबल तार चोरी हो गया है, इस घटना से शासन व कंपनी को लगभग 142582 रू की आर्थिक क्षति हुई है। आरोपियों पर कार्यवाही की जाए, शिकायत पर अपराध धारा 303(2), 3(5) बीएनएस एवं 136 विद्युत अधिनियम पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। विवेचना के दौरान उपरोक्त दोनो आरोपीगणो को अभिरक्षा मे लेकर पुछताछ किया गया, जिससे पता चला कि चोरी किया तार का सिंघौरा मे ज्ञान सिंह के कुआ मे एंव छोटू सिंह उर्फ कृष्णा की बाडी मे पैरा के निचे छुपाकर रखा गया हैं, कुआ से 350 मीटर एवं छोटू सिंह की बाडी से 100 मीटर कुल 450 मीटर सर्विस केबल कीमत 142582 (एक लाख बयालिस हजार पांच सौ बयासी) रूपये एंव घटना मे प्रयुक्त प्लास बरामद कर आरोपियो के कब्जे से जप्त कर उपरोक्त आरोपियो को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से जिला जेल भेजा गया।

ग्राम पंचायत पड़रिया के ग्राम चोई में 20 वर्षों से बिजली संकट, विभागीय उदासीनता से त्रस्त आमजन

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। ग्राम पंचायत पड़रिया के अंतर्गत आने वाले ग्राम चोई में बिजली व्यवस्था की दुर्दशा ने आम जनता का जीना मुहाल कर दिया है। यहां के निवासियों को बीते दो दशकों से लगातार बिजली की समस्या का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन बिजली विभाग द्वारा इस ओर आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय वार्ड पंच चेतन ने बताया कि बिजली विभाग की लापरवाही नई नहीं है, बल्कि पिछले 20 वर्षों से यही रवैया अपनाया जा रहा है। हमने कई बार आवेदन दिए, शिकायती पत्र भेजे, अधिकारियों से गुहार लगाई, लेकिन आज तक किसी ने हमारी समस्या को गंभीरता से नहीं लिया, चेतन ने कहा। गांव के लोगों का कहना है

कि विभाग बिजली बिल समय पर जमा करने का तो दबाव डालता है, पर यह पूछने कोई नहीं आता कि मोहल्ले में बिजली आती भी है या नहीं। अगर बिल न भरो तो फौरन लाइन काट दी जाती है, लेकिन अगर हफ्तों बिजली गायब हो तो पूछने वाला कोई नहीं, ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए कहा। गांव में ट्रांसफार्मर की क्षमता कम है, तारें जर्जर हालत में हैं और कई खंभे तो झुक चुके हैं, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। रात के समय अंधेरे के कारण महिलाएं और बच्चे सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और विद्युत वितरण कंपनी से मांग की है कि चोई गांव की दशा सुधारी जाए। ट्रांसफार्मर बदले जाएं, नई लाइनें बिछाई जाएं और नियमित रूप से बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।अगर जल्द कोई कदम नहीं उठाया गया तो हम सभी ग्रामीण सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे, ग्रामीणों ने चेतावनी दी है।

नौतपा का पांचवा दिन अमरकंटक में आधे घंटे की झमाझम बारिश

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर /अमरकंटक। प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में चल रहे नौतपा के पांचवें दिन आधे घंटे की बहुत तेज झमाझम बारिश से मौसम में ठंडकता आ गई है। 5 दिनों के नौतपा में तीन दिनों की बारिश हो चुकी है, कभी रिमझिम रिमझिम बूंदाबांदी की वर्षा तो कभी तेज बारिश ने नौतपा की तपन नहीं होने दी और मौसम इससे सुहाना खुशनुमा हो गया जैसा की उम्मीद की जा रही थी, नौतपा में तेज गर्मी पड़ेगी लेकिन उसके विपरीत लगभग पूरे माह भार से प्रत्येक दिनों ही बारिश हो जा रही है, फल स्वरुप गर्मी का एहसास नहीं हो रहा। आज सुबह से हल्की उमस भरी गर्मी महसूस हो रही थी, लेकिन काले काले बादलों ने उमड़ घुमड़ कर बहुत तेज बारिश कर दी । पवित्र नगरी अमरकंटक में बारिश होने से एक बार फिर से मौसम परिवर्तित होकर बेहद खुशनुमा सुहाना भरा हो गया इसका पर्यटक तीर्थ यात्रियों भक्त श्रद्धालुओं ने जमकर आनंद लिया भीगते हुए ही नर्मदा मंदिर में दर्शन के लिए आते जाते रहे, वहीं कुछ पर्यटक यात्री गण रामघाट एवं कोर्ट तीर्थ घाट कुंड में जमकर डुबकी लगाते रहे । वर्षा होने से मंदिर के सामने बैठे भिखारी एवं यात्री आनन फानन में छाता लगाते हुए आते जाते दिखे। उल्लेखनीय है कि विगत एक माह से लगभग वर्षा होते रहने के चलते कुआ तालाब एवं बोर का जलस्तर ज्यादा नीचे नहीं गिर पाया है इससे पेयजल आपूर्ति की ज्यादा समस्या नहीं होती है।

वाहन की टक्कर से मादा तेंदुए की मौत का मामला

अज्ञात के विरुद्ध वन अपराध दर्ज शुरू की गई विवेचना

ज्ञान चन्द शर्मा /बालाघाट। नैनपुर राजमार्ग मे लालदेव के समीप वन्य प्राणी मादा तेंदुआ का शव बरामद किया गया था इस मामले मे वन विभाग ने अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है वही गश्ती भी बढ़ाई गई है जानकारी के अनुसार 29मार्च की रात्रि मे वन विभाग निगम परियोजना परिक्षेत्र लामता को सूचना प्राप्त हुई थी कि अज्ञात वाहन की टक्कर से तेंदुए की मौत हो गई है निगम के जिम्मेदार मौके स्थल पर पहुंचे जिन्हेने सड़क से 15मीटर दूर मादा तेंदुआ का मृत शव पाया था संभागीय प्रबंधक डेविड चनाप एव मुख्य वन संरक्षक अधिकारी मौके स्थल पर पहुंचे थे घटना स्थल के आसपास के क्षेत्र मे डॉग स्क्वाड से निरीक्षण परीक्षण कराया गया वन विकास निगम संभागीय प्रबंधक डेविड चनाप ने बताया कि वन विकास निगम द्वारा वन्य प्राणियो की सुरक्षा के लिए लालर्बरा लामता वारासिवनी मे संवेदनशील एरिया मे सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है ताकि वन्य प्राणियो पर निगरानी बनी रहे तथा सुरक्षा मे किसी प्रकार की लापरवाही ना हो वन विकास निगम अपने समस्त बीटो पर समय समय पर गश्ती दल के साथ गश्ती कर रहा है वन्य प्राणियो की सुरक्षा को देखते हुए गश्ती को बढा दिया गया है।

सीईओ ने डी एम एफ के कार्यो की नब्ज टटोली

ज्ञान चन्द शर्मा/बालाघाट। जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ ने बिरसा विकासखंड के अतिसंवेदनशील ग्रामो के निरीक्षण किया इस दौरान उन्होने ग्राम पंचायत मछुरदा की बसाहट कोरका के जंगल मे निमित लघु तालाब एव डी एम एफ से निर्माणाधीन अतिरिक्त कक्ष का निरीक्षण किया जिसमे उन्होंने दोनो ही कार्य शीघ्र पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान एससीए योजना से पुलिस चौकी कोरका मे कार्य पूर्ण पाया गया उपस्थित सरपंच एव ग्रामवासियो द्वारा बताया गया कि कोरका के करीब 150 घरो तक बिजली नही पहुंच पा रही है वही कुछ स्थानो पर विधुत के पोल खड़े पाए गए ग्राम पंचायत सालेटेकरी मे 15 वे वित से नवनिर्मित सीसी सड़क के निरीक्षण पर सीईओ सराफ ने प्रसार जोड को ठीक करने के निर्देश दिए इस दौरान ग्राम पंचायत कैडाटोला और भीमजोरी मे डी एम एफ से स्वीकृत कार्यो का भी निरीक्षण किया गया कैडाटोला के अलीन टोला मार्ग मे निमित पुलिया का एप्रोच ठीक करने एव भीम जोरी का सामुदायिक प्रशिक्षण जल्दी पूर्ण करने के निर्देश दिए गए एव तकनीकी मार्गदशन भी दिया गया निरीक्षण के दौरान सर्व शिक्षा के सहायक यंत्री भास्कर शिव जनपद ससीईओ रितेश चौहान एव संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव तथा जनपद का तकनीकी अमला उपस्थित रहा।

नक्सली डंप बरामद करने में लांजी पुलिस को मिली बढ़ी सफलता

ज्ञानचन्दशर्माबालाघाट। जिले के लांजी थानांतर्गत प्रतिबंधित संगठन भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (माओवादी) के मलाजखंड टांडा संयुक्त एरिया कमेटी के नक्सल सदस्यो द्वारा अवैध शस्त्र एवम् गोला बारूद के दम पर शासन एवम् कानून के विरुद्ध लगातार अपनी गतिविधियां संचालित करते हुए पुलिस मुखबिर की हत्या करने एवम् पुलिस बल को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से काफी मात्रा में नक्सल प्रचार प्रसार सामग्री व विस्फोटक पदार्थ आई. ई. डी. बनाने की सामग्री का संग्रहण कर जंगल में विभिन्न स्थानों पर गड़ाकर(छुपाकर) रखा गया है।12 फरवरी को सूचना प्राप्त होने पर नक्सल विरोधी अभियान के तहत् बिलालकसा जंगल छेत्र में सर्चिंग एरिया डोमिनेशन की कार्यवाही हेतू हॉकफोर्स एवम् बिडीडीएस टीम सर्चिंग पर रवाना हुई। सर्चिंग के दौरान ग्राम आलीटोला माहुरदल्ली जंगल छेत्र में कुछ जमीन उठी हुई दिखी जो शंकास्पद होने पर बिडीडीएस टीम एवम् हॉकफोर्स द्वारा चेक करने पर संदिग्ध सामग्री दिखाई दी। जिसमें प्रिटिंग मशीन का सामान, बैटरी, डाटा केबल, इंक, प्रिंटिंग पेज, नक्सल साहित्य एवम् अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं मिली। उक्त सामग्री प्रतिबंधित भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (माओवादी) के मलाजखंड टांडा संयुक्त एरिया कमेटी के सदस्य नक्सलियों द्वारा सरकार की नीतियों का नकारात्मक प्रचार कर अपनी माओवादी विचारधारा का प्रचार प्रसार करते हुए स्थानीय लोगों को भड़काने के आशय से नक्सल साहित्य आदि सामग्री जमीन में गड्ढा खोदकर डंप किए जाने पर थाना लांजी में अपराध पंजीबद्ध कर सम्पूर्ण छेत्र में गहन सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा हैं।

1 जून को आयोजित होगी अहिरवार समाज संघ म.प्र. की प्रदेश स्तरीय बैठक, भाव सिंह मांडरे जी का होगा भव्य सम्मान समारोह।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

भोपाल। अहिरवार समाज संघ मध्यप्रदेश की प्रदेश स्तरीय बैठक आगामी 1 जून 2025 को प्रात: 11:00 बजे से जिंसी मंदिर, जहांगीराबाद, भोपाल में आयोजित की जाएगी। इस महत्वपूर्ण आयोजन की अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष श्री राजेश अहिरवार करेंगे, वहीं संघ के संस्थापक चौधरी अमान सिंह नरवरिया भी इस गरिमामयी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ-

इस बैठक में संघ के विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा, जिनमें प्रमुख रूप से-

संगठन के विस्तार की रूपरेखा
जिलों में आयोजन की योजना
सदस्यता अभियान की शुरुआत
जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

भाव सिंह मांडरे जी का होगा भव्य स्वागत-सम्मान

इस अवसर पर संघ के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष श्री भाव सिंह मांडरे जी का विशेष सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा। भाव सिंह मांडरे जी 31 मई 2025 को प्राचार्य पद से सेवा निवृत्त हुए हैं। अपने सेवा काल में उन्हें शासकीय स्तर पर आचार्य पद से सम्मानित किया गया और उन्होंने राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई प्रशस्ति पत्र अर्जित किए हैं।

उनके समर्पित और अनुकरणीय कार्यों पर अहिरवार समाज को गर्व है।

प्रमुख उपस्थिति-

मुख्य अतिथि- संघ के संस्थापक व मार्गदर्शक
कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष- श्री भाव सिंह मांडरे

प्रमुख अतिथि- संघ के सभी प्रकोष्ठों के अध्यक्षगण महिला प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ, आईटी सेल, मीडिया प्रभारी आदि

समाज से विशेष अनुरोध-

संघ के सभी इकाइयों के पदाधिकारियों से निवेदन किया गया है कि वे इस महत्वपूर्ण आयोजन में संपूर्ण उत्साह व गरिमा के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं। यह आयोजन संगठन की एकता, दिशा और विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संस्थापक - अहिरवार समाज संघ म.प्र.
चौधरी अमान सिंह नरवरिया
सेनि. टीआई - पुलिस विभाग, भोपाल
दिनांक- 28 मई 2025

1 जून को धूमधाम से मनाया जाएगा वरिष्ठ समाजसेवी रमन बामने जी का जन्मदिन

उदयपुरा। नगर के प्रतिष्ठित सामाजिक व्यक्तित्व और अहिरवार समाज की शान, श्री रमन बामने जी का 43 वां जन्मदिवस इस वर्ष 1 जून 2025 को डा भीमराव अंबेडकर भवन, उदयपुरा में पूरे सम्मान और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस शुभ अवसर पर नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, युवागण और नागरिकगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे। श्री रमन बामने जी को समाज में उनके निस्वार्थ सेवा कार्यों, सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष, और एकजुटता की मिसाल के रूप में जाना जाते हैं । वे हमेशा समाज के हर वर्ग के साथ खड़े रहते हैं, चाहे वह किसी का दु:ख हो या कोई सामाजिक उत्सव — श्री रमन जी सबसे पहले सेवा में उपस्थित होते हैं। उनका मानना है कि समाज का विकास तभी संभव है जब हम एक-दूसरे के सहयोगी बनें, न कि केवल दर्शक। इसी सोच के चलते उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक समानता जैसे कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। कार्यक्रम की शुरुआत प्रात:काल डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण से होगी।

यूं ही नही बनी रानी से मां और फिर देवी अहिल्या बाई होल्कर

भोपाल। आसान नही होता सत्ता के कठोर अपरिहार्य चलन को ढकेल कर, ममता को बरकरार रखते हुए सामाजिक रुढियों को तोड पाना। बात जब सदियों के काबिज धर्म और पारिवारिवारिक रस्मों और दौर को बदलने की हो तो अच्छे से अच्छे रणनीतिकार, राजनितज्ञ भी विरोध के डर से हिम्मत नही जुटा पाते है। इस रानी की न्याय प्रियता, शासन संचालन और धार्मिक कार्यों घाटों के निर्माण पर बहुत कछ लिखा गया। लेकिन हम बात करके देवी अहिल्या के नारी उत्थान की दिशा ने किए गए दूरदर्शी कार्यों की। लेकिन होल्कर घराने की बहु रानी अहिल्या बाई होल्कर - महिला सेना का गठन करने वाली उस दौर की वे शायद प्रथम ही शासक थी। इतना ही नही युद्ध में मारे गए सैनिकों की विधवाओं को सामाजिक और आर्थिक रुप से सक्षम बनाने की पहल उन्होंने ही की। देश में पहली बार विधवा पेंशन की शुरुआत हुई। यही वजह है कि उनकी आयु भले ही 70 वर्ष रही हो लेकिन कई पीढियों को, दशकों तक चार सदी बीत जाने के बावजूद भी रानी अहिल्या आज भी प्रासंगिक है। इतना ही नही, पाखंडी धर्मवेताओं के विरोध को अकाट्य तर्कों, संयम तो कभी कडक निर्णय ले चुनौति देने से भी नही चुकी रानी अहिल्या। और इस तरह समाज के बडे वर्ग को महिला शिक्षा का अधिकार दिलवाया । कानून को पालन करवाने में महज कडक रुख नही अपनाया वरन ऐसे मानवीयता को प्राथिमकता देते हुए नए कानूनों की ईबारत लिखी। जो आज भी अनुकरणीय है। मसलन, विधवा संपति जप्त होने के कानून को समाप्त किया, विधवा पेंशन लागू की, सती प्रथा को समाप्त किया और महिलाओं के रोजगार की चिंता कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया। उनके द्वारा स्थापित माहेश्वरी साड़ी का उद्योग आज भी कई परिवारों की रोजी रोटी है।

नीलकंठ कंपनी में फलता-फूलता कारोबार, लेकिन कर्मचारी अपने हक से वंचित

● न बी-फॉर्म, न ट्रेनिंग, न अटेंडेंस की पारदर्शिता - प्रबंधन बना मौन दर्शक

● एक ही परियोजना में दोहरी नीति, संगठन ने जताई नाराज़गी - समान नियम लागू करने की मांग

अनू गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर/आमाडांड। आमाडांड परियोजना में कोयला खनन और परिवहन का काम कर रही नीलकंठ कंपनी भले ही कारोबार में ऊंचाइयां छू रही हो, लेकिन कंपनी में काम कर रहे करीब 1200 से 1300 कुशल श्रमिक आज भी अपने वाजिब अधिकारों से वंचित हैं। मज़दूरों के हितों की अनदेखी, असमान नियम और प्रबंधन की चुप्पी को लेकर श्रमिक संगठन ने गंभीर नाराजगी जाहिर की है।

बिना बी-फॉर्म और ट्रेनिंग के काम पर मज़दूर, अटेंडेंस भी सवालों के घेरे में

मिली जानकारी के अनुसार, नीलकंठ कंपनी के अधिकांश कर्मचारियों का न तो बी-फॉर्म भरवाया गया है और न ही बीटीसी कराई गई है, जो कि कोयला खनन जैसे जोखिम भरे काम के लिए अनिवार्य मानी जाती है। इतना ही नहीं, इन श्रमिकों की उपस्थिति भी न डी-फॉर्म में दर्ज की जा रही है और न ही बायोमैट्रिक प्रणाली से अटेंडेंस ली जा रही है, जिससे पारदर्शिता पूरी तरह नदारद है।

कर्मचारियों को नहीं मिलती वेतन पर्ची, एलपीसी पर भी उठे सवाल

संगठन ने यह भी आरोप लगाया है कि नीलकंठ प्रबंधन द्वारा मज़दूरों को मासिक वेतन पर्ची (पे-स्लिप) उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। यहां तक कि महत्वपूर्ण दस्तावेज़ पर कौन अधिकारी हस्ताक्षर करता है, इसकी जानकारी तक उपलब्ध नहीं है। यह स्थिति न केवल मज़दूरों के अधिकारों का हनन है, बल्कि कंपनी के आंतरिक प्रबंधन पर भी सवाल खड़े करती है।

एक तरफ अनदेखी, दूसरी ओर जबरन बायोमैट्रिक दबाव

आश्चर्य की बात यह है कि जहां आमाडांड प्रोजेक्ट में नीलकंठ कंपनी के कर्मचारियों की उपस्थिति बिना किसी तकनीकी रिकॉर्ड के हो रही है, वहीं जमुना कोतमा क्षेत्र में कर्मचारियों को बायोमैट्रिक मशीन में जबरन इन-आउट करने का दबाव डाला जा रहा है। प्रबंधन की ओर से समय-समय पर जारी किए जा रहे पत्रों में श्रमिकों को धमकी दी जा रही है कि यदि वे इन-आउट दर्ज नहीं करते, तो भुगतान न होने की जिम्मेदारी उनकी होगी।

एक ही परियोजना, दो नियम ङ्क यह अस्वीकार्य ̄ श्रीकांत शुक्ला

क्षेत्रीय श्रमिक संगठन के अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला ने दो टूक कहा कि एक ही प्रोजेक्ट में दो तरह के नियम लागू करना अन्यायपूर्ण और अस्वीकार्य है। उन्होंने मांग की है कि जब तक नीलकंठ कंपनी के कर्मचारियों की बायोमैट्रिक हाजिरी, बी-फॉर्म, बीटीसी ट्रेनिंग और वेतन संबंधी दस्तावेजों की पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं होती, तब तक जमुना कोतमा क्षेत्र के कर्मचारियों पर इन-आउट' का जबरन दबाव डालना पूरी तरह गलत और निंदनीय है।श्रमिक संगठन ने चेताया है कि यदि जल्द ही इस दोहरे रवैये और मज़दूरों के अधिकारों की अनदेखी पर रोक नहीं लगाई गई, तो संगठन बड़े आंदोलन की राह पर जा सकता है।मज़दूर-मज़दूर भाई-भाई और इंकलाब जिंदाबाद के नारों के साथ संगठन ने अपना विरोध दर्ज कराया और प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है।

सत्ता साहस और पराक्रम की त्रिवेणी थे महाराजा छत्रसाल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विरासत महोत्सव का किया शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बुंदेलखंड की धरती वीरों और रणबांकुरों की धरती है। इस पवित्र धरती पर महाराजा छत्रसाल का जन्म हुआ। मैं वीरों की धरती को नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि हमारे लिए आज पुरुषार्थ और पराक्रम का दिन है। आज बुंदेलखंड के वीर सपूत महाराजा छत्रसाल की जंयती है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड की धरती पर परमात्मा ने विशेष कृपा की है। इस धरती ने रणबांकुरे दिए है। मुख्यमंत्री आज छतरपुर जिले के ग्राम मऊ सहानियां में महाराजा छत्रसाल स्मृति शोध संस्थान के सौजन्य से आयोजित महाराजा छत्रसाल जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराजा छत्रसाल की लड़ाई देश के स्वाभिमान की लड़ाई थी। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में मुगलों से लोहा लिया और अपने पुरुषार्थ और पराक्रम से आततायियों से देश की रक्षा की। उनका यह साहस उस कठिन दौर में अनुपम था। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराजा छत्रसाल उस कठिन दौर में सत्ता साहस और पराक्रम के त्रिवेणी थे। उन्होंने मुगलों को धूल चटाई और देश का मान बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज, महाराजा छत्रसाल, रानी दुर्गावती, रानी अवंतीबाई, लोकमता देवी अहिल्याबाई होलकर हमारे गौरव हैं। हमें उनके कठिन संघर्षों, उनके पराक्रमों और उनके आदर्शों से शिक्षा लेनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराजा छत्रसाल के साहस और पराक्रम को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए स्कूल,

कॉलेजों के पाठ्यक्रमों में पाठ शामिल करने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बुंदेलखखड के अंदर पानी की दिक्कतें वर्षों से रही है। बुंदेलखंड में पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वर्षों से उलझी पड़ी केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का शुभारंभ हुआ है।

एम पी ट्रांस्को के प्रशिक्षण वेबिनार श्रृंखला का शतक : कार्य दक्षता में आया गुणात्मक सुधार

भोपाल। कोविड महामारी के दौरान आरंभ हुई वेबिनार की एक पहल ने मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांस्को) के वर्क कल्चर को बदलने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे कार्मिकों की कार्य दक्षता में गुणात्मक परिवर्तन के साथ आत्मविश्वास में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। अब 100 साप्ताहिक वेबिनार की श्रृंखला का यह चरण सफलतापूर्वक समाप्त हो चुका है। प्रारंभ में संकट के समाधान के रूप में शुरू की गई यह पहल, डिजिटल परिवर्तन और नवाचार की मिसाल बन गई। वेबिनार की इस श्रृंखला के दौरान, पूरे मध्यप्रदेश से 500 से अधिक कनिष्ठ फील्ड युवा अभियंताओं और तकनीकी कर्मियों ने नियमित रूप से भाग लिया। प्रत्येक सप्ताह आयोजित होने वाले इन सत्रों में बिजली क्षेत्र में तेजी से विकसित हो रही तकनीकों और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर चर्चा की गई। अधीक्षण अभियंता श्री सुनील यादव ने कहा कि यह वेबिनार केवल ज्ञान साझा करने का माध्यम नहीं रहे, बल्कि इन्होंने हमारी टीमों को सशक्त, आत्मविश्वासी और फील्ड में सटीक कार्य करने में अधिक प्रभावी बनाया। इस वेबिनार श्रृंखला की एक प्रमुख उपलब्धि वरिष्ठ और कनिष्ठ अभियंताओं के बीच बेहतर समन्वय रहा। इस सहयोगात्मक वातावरण ने ट्रांसफार्मर, ट्रांसमिशन लाइनों और सबस्टेशनों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किए। वेबिनारों के माध्यम से तकनीकी ज्ञान का स्थानांतरण और कौशल विकास संभव हो सका।

केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से पन्ना-दमोह छतरपुर सहित बुंदेलखंड समृद्ध होगा किसानों की बदलेगी जिंदगी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- **महाराजा छत्रसाल की जीवनी को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा**
- **श्री जुगलकिशोर लोक बनने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा**
- **90 करोड़ से अधिक के विकास और निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण**

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बुंदेलखंड में बड़ा बदलाव आने वाला है, केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से पन्ना दमोह छतरपुर सहित समूचा बुंदेलखंड समृद्ध होगा। किसानों की जिंदगी बदलेगी, पूरे क्षेत्र में खुशहाली आएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को पन्ना में महाराजा छत्रसाल जयंती और पन्ना नगर के गौरव दिवस पर समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार के माध्यम से सुशासन की मिसाल बनेगी। प्रदेश में पन्ना सहित 19 धार्मिक नगरों में शराब दुकान बंद की गई है। सरकार शराब दुकान बंद कर दूध की दुकानें खोलेगी, गोपालन पशुपालन को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां श्री जुगल किशोर लोक के साथ ही 90 करोड की लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा शीघ्र ही पन्ना को मेडिकल कॉलेज सहित अन्य सौगातें भी मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पन्ना की धरती शूरवीरों की धरती हैं यहाँ पर हीरे के अपार भंडार हैं। महाराज छत्रसाल ने भी सोच समझकर पन्ना को राजधानी बनाया। उन्होंने कहा कि पन्ना के खास है यहाँ पूरे देश सबसे अच्छे हीरे पाए जाते हैं। जुगलकिशोर लोक बनने से श्रद्धालुजन दूर-दूर से आकर यहां दर्शन करेंगे जिससे पन्ना में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और नगर समृद्ध होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के दुश्मनों को मिट्टी में मिलाने का संकल्प लिया और सेना ने दुश्मनों का खात्मा कर नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कार जी की 300वां जयंती चल रहा है। बनारस, सोमनाथ, द्वारकापुरी, गंगोत्री, बद्रीनाथ रामेश्वरम, मानसरोवर आदि देवस्थानों का अपने निजी व्यय से जीर्णोंद्धार कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पन्ना के गौरव दिवस के अवसर पर मैं मध्यप्रदेश सरकार की ओर से शुभकामनाएँ देता हूँ। उन्होंने महाराजा छत्रसाल एवं लोकमाता अहिल्याबाई के चित्र पर मल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सड़क हदासों में अस्पताल पहुंचाने पर राह वीर योजना में मानवता के आधार पर 25 हजार का पुरस्कार सरकार देगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा यदि बहन बेटी किसी कारण से विधवा हो जाती तो विधवा बहिनो की शादी के लिए 2 लाख दिये जाने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा गौमाता के संरक्षण और रखरखाव के लिए सरकार गौशालाओं में प्रति गौमाता को आहार के लिये 20 से बढाकर 40 रुपए दिये जा रहे है। लाड़ली बहनों की राशि में भी सरकार बढ़ोतरी करते हुए आगामी 5 साल के अंदर 3 हजार रूपए प्रतिमाह करने जा रही है। जगन्नाथ यात्रा को धर्मस्व और धार्मिक न्यास में शामिल किया जाएगा। राज्य सरकार महाराजा छत्रसाल की जयंती मनायेगी। पाठ्यक्रमों में महाराजा छत्रसाल की जीवनी को शामिल कर उनकी वीरता और जीवन के पहलुओं से अवगत कराया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अजयगढ़ के अस्पताल का उन्नयन करने तथा जुगल किशोर महालोक में गोविंद मन्दिर, बलदाऊ मन्दिर, प्राणनाथ और जानकी मंदिर के विकास कार्यों में शामिल करने की घोषणा की। तालाबों के जीर्णोद्धार और स्टेडियम को पूर्ण करने सहित ब्रजपुर में नवीन कॉलेज खोलने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमने तय किया है की प्रदेश के नगरों में सभी जगह गीता भवन बनाए जाएंगे। गीता भवन में सभागार, लायब्रेरी आदि बनाई जाएगी। उन्होंने 131 नव विवाहित दंपत्तियों को भावी जीवन के लिए शुभकामनाएँ दी। सरकार पशुपालन और गोपालन को बढ़ावा दे रही हैं, उन्होंने कहा एक ब्लॉक के अंदर एक आदर्श वृंदावन गांव बनाने का संकल्प हमारी सरकार ने लिया है।

सांसद बीडी शर्मा ने पन्ना में मेडिकल कॉलेज, एग्रीकल्चर कॉलेज और आयुर्वैदिक हॉस्पिटल की सौगात के लिये मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि एनएमडीसी डायमंड पार्क और म्यूजियम से पन्ना की पहचान विश्व पटल पर बनी है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की विकास यात्रा प्रधानमंत्री श्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में तेज गति से आगे बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छत्रसाल जयंती पर पन्ना प्रवास के दौरान नगर के छत्रसाल पार्क पर बुंदेलखण्ड केशरी महाराजा छत्रसाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प वर्षा कर नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री प्राणनाथ मंदिर ट्रस्ट के सदस्य एवं पदाधिकारियों से ट्रस्ट के कार्यों और गतिविधियों की जानकारी भी ली।

मध्यप्रदेश में 31 मई को लिखा जाएगा विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का नया अध्याय

प्रधानमंत्री श्री मोदी करेंगे लोकमाता देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन का शुभारंभ

भोपाल। मध्यप्रदेश के लिए 31 मई का दिन एक ऐतिहासिक होगा। इस दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर भोपाल के जम्बूरी मैदान में महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में प्रधानमंत्री श्री मोदी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी 483 करोड़ से बने 1271 नवीन अटल ग्राम सेवा सदन (पंचायत भवन) की पहली किश्त का अंतरण भी करेंगे प्रधानमंत्री श्री मोदी इस महासम्मेलन में लोकमाता देवी अहिल्याबाई को समर्पित डाक टिकट और स्मृति सिक्का जारी करेंगे। इसके साथ ही आदिवासी, लोक एवं पारंपरिक कलाओं में उल्लेखनीय योगदान देने वाली कलाकर को राष्ट्रीय देवी अहिल्याबाई पुरस्कार से सम्मानित करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी इस अवसर पर देवी अहिल्याबाई के सुशासन, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक योगदान पर आधारित प्रदर्शनी का भी अवलोकन करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी भोपाल से वर्चुअली इंदौर मेट्रो के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर का शुभारंभ करेंगे। यह 6 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर मेट्रो यलो लाइन का हिस्सा है जिसमें 5 स्टेशन शामिल हैं। देश के स्वच्छतम शहर इंदौर को एक आधुनिक, प्रदूषण-मुक्त और तेज यातायात सुविधा से सुसज्जित करेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी दतिया एवं सतना में नवनिर्मित एयरपोर्ट्स का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। दतिया एयरपोर्ट 60 करोड़ की लागत से विकसित किया गया है और यह धार्मिक नगरी को देशभर से बेहतर रूप से जोड़ेगा। सतना एयरपोर्ट, 37 करोड़ की लागत से निर्मित किया गया है। यह एयरपोर्ट विन्ध्य क्षेत्र के पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग क्षेत्र को नई उड़ान देगा।

लाड़ली लक्ष्मी योजना सर्टिफिकेट से रुका बाल विवाह

भोपाल। मध्यप्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत जारी प्रमाण पत्र ने एक बार फिर बाल विवाह जैसी कुप्रथा को रोकने में अहम भूमिका निभाई है। रीवा जिले के जवा थाना क्षेत्र में एक 16 वर्षीय नाबालिग बेटी की शादी की तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही थीं, लेकिन लाड़ली लक्ष्मी योजना के दस्तावेज और सतर्क नागरिक की एक शिकायत के चलते समय रहते यह विवाह रुकवा दिया गया। जवा थाना क्षेत्र के एक परिवार की बेटी का विवाह चकघाट स्थित चंदई गांव के 22 वर्षीय युवक से तय किया गया था। 27 मई 2025 को बारात आने वाली थी, शादी की लगभग सभी रस्में पूरी हो चुकी थीं। घर में मेहमान जुट चुके थे और पंडाल सजा हुआ था। महिला एवं बाल विकास विभाग और पुलिस विभाग को एक जागरूक व्यक्ति द्वारा शिकायत प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि जिस लड़की की शादी कराई जा रही है, वह सिर्फ 16 साल 5 महीने की है। शिकायत की पुष्टि लाड़ली लक्ष्मी योजना के आश्वासन प्रमाण पत्र से की गई, जिसमें बेटी की जन्मतिथि 5 दिसंबर 2008 दर्ज थी। इसी आधार पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुँच कर विवाह को रुकवाया। अधिकारीयों ने परिजनों को समझाइश दी और विवाह की वैधानिक उम्र पूरी होने से पहले शादी न कराने की कड़ी चेतावनी दी। एसपी विवेक सिंह ने मामले पर जानकारी देते हुए बताया की जवा थाना क्षेत्र में बाल विवाह की सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई की गई।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :-** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)